APRIL- 2026 EDITION

AU TALK

EARTH DAY SPECIAL

VOL 47

SMALL STEP BIG IMPACT

Your guide to a greener

tomorrow.
The ultimate guide to zero waste living

April 2026

What’s up on AU campus

Editorial Board

AU TALK *is a monthly digital newsletter of the University of Allahabad.* AU TALK, *a long-cherished dream and a brainchild of the Hon'ble Vice Chancellor, has been regularly and successfully disseminating news and information on various academic and research activities happening across the departments/centres of the university. The original idea behind the digital platform is not only to spread information about various developments related to the departments but also to revitalize a connection among them.* AU TALK, *as a digital space, facilitates its faculty members to publish their own informative articles, research accomplishments and potential future plans.*

Patron: Hon'ble Vice Chancellor

Members of the Editorial Board:

Chief Editor-Prof. Chandranshu Sinha, Head, Dept. of Psychology, UoA

- Prof. Nakul Kundra, Professor, Dept. of English, UoA
- Dr. Jaswinder Singh, Assistant Professor, Dept. of English, UoA
- Dr. Charu Vaid, Assistant Professor, Dept. of English, UoA
- Dr. Shiban Ur Rahman, Assistant Professor, Dept. of English, UoA
- Dr. Sandeep Kumar Meghwal, Assistant Professor, Dept. of Visual Arts, UoA
- Mr. Vishal Vijay, Assistant Professor, Centre for Theatre & Film, UoA
- Pratiksha Srivastava, JOA, O/o Vizianagaram Hall, UoA

To publish your news/event in the upcoming edition, please send write-ups along with a relevant picture to:

vizianagramcurator.au@gmail.com

Contents

	Page No.
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग	3-5
प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित विद्यार्थियों का सम्मान	6-10
Centre of Environmental Studies	11- 14
Department of English and Modern European Languages	15- 17
Department of Electronics and Communication	18- 22
Book and Documentary of the Edition	23

AU TALK
EARTH DAY SPECIAL
VOL 47
SMALL STEP BIG IMPACT
Your guide to a greener tomorrow.
The ultimate guide to zero waste living
April 2026

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में मंगलवार को फोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य फोटोग्राफी में नए-नए तकनीक और प्रयोगों से विद्यार्थियों को रूबरू कराना था। इसमें कैनन की तरफ से प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया।

इस अवसर पर कैनन इंडिया की ओर से फोटोग्राफी विशेषज्ञ अमित सक्सेना ने विद्यार्थियों को कैमरे के शुरुआती दौर के साथ डीएसएलआर की बुनियादी बातों से परिचित कराया। उन्होनं रॉ और जेपीजी प्रारूपों के बीच अंतर भी बताया। उन्होंने व्लॉगिंग, कैमरा उपकरण, सॉफ्टवेयर और आईएसओ, शटर स्पीड और एपर्चर जैसी प्रमुख कैमरा विशेषताओं पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बदलते तकनीक और कौशल के बीच सामंजस्य स्थापित करना बहुत जरूरी है। उन्होंने फोटो संपादन, रंग सुधार और बारीक विवरणों को बेहतर बनाने में एआई की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला और छात्रों को उचित तकनीकों और उपकरणों का उपयोग करके तीव्र फोकस प्राप्त करने और स्थिर फुटेज कैप्चर करने के लिए प्रशिक्षित किया। जिससे छात्रों को व्यावहारिक अनुभव के साथ फोटोग्राफी को करियर के रूप में अपनाने के प्रति आत्मबल मिला। कार्यशाला विभागाध्यक्ष अश्वजीत चौधरी के नेतृत्व में आयोजित की गई और संयोजन विभाग के शिक्षक डॉ. हरिनाथ कुमार ने किया। इससे पूर्व विभाग के शिक्षक डॉ. अमित शर्मा, डॉ. राम अवतार यादव, डॉ. रवि सूर्यवंशी और डॉ. हरिनाथ कुमार ने विषय विशेषज्ञ अमित सक्सेना को स्मृति चिन्ह भेंट किया। साथ ही तकनीकी सहायक योगेश कुमार का भी स्वागत किया।

Canon
Canon

UNIVERSITY OF ALLAHABAD
EOS

EARTH DAY SPECIAL

VOL 47

SMALL STEP BIG IMPACT

Your guide to a greener

tomorrow.
The ultimate guide to
zero waste living

April 2026

इविवि में प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित विद्यार्थियों का सम्मान

कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने प्रो. ईश्वर टोपा सभागार में विद्यार्थियों को किया पुरस्कृत

इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज में 10 अप्रैल 2026, शुक्रवार को देश की प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में हाल ही में चयनित पुराछात्रों और विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सीनेट परिसर के प्रो. ईश्वर टोपा सभागार में कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ। यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद एलुमिनाई एसोसिएशन की ओर से भारतीय प्रशासनिक सेवा-2025, उत्तरप्रदेश प्रांतीय सिविल सेवा (यूपीपीसीएस)-2024 और राज्यों की न्यायिक सेवाओं में प्रथम आने वाले पुराछात्रों को स्मृति चिह्न और डायरी भेंट की गई। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई।

इस मौके पर कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने कहा कि चयनित पुराछात्रों ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय का पुराना गौरव वापस लौटाया है। आज सभी ने हमारा सिर गर्व से ऊंचा किया है। पिछले कुछ वर्षों में विश्वविद्यालय में अच्छे शिक्षक आए हैं, जिन्होंने केवल शिक्षण कार्य पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। यूपीपीसीएस में 70 विद्यार्थियों का चयन गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि अब किताबी ज्ञान के अलावा जीवन की असल समस्याओं से आपका सामना होगा। जब सब आराम कर रहे थे, तब आप संघर्ष कर रहे थे, इसी कारण आप सफल हुए हैं। जीवन के भटकाव भरे क्षणों से निकलकर ही आप सफलता की सीढ़ी चढ़े हैं। आपकी सफलता से सबसे ज्यादा खुशी आपके माता-पिता और शिक्षकों को होती है। उन्होंने कहा कि असफलता के बाद ही सफलता आती है, जो लोग असफलता से सीखकर स्वयं को मजबूत कर लेते हैं, वे आगे बढ़ जाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि अपना समय मत व्यर्थ करें। जो आज आप कर रहे हैं, वह आपके कल का निर्माण करेगा। निंदकों को अपना दोस्त मानकर उन्हें स्वयं से जोड़े रखें, वे आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

कुलपति महोदया ने कहा कि मेरे आदर्श वे बालिकाएं और छात्राएं हैं जो आज आईएएस जैसे अहम पदों पर चयनित हुईं हैं। उन्होंने चयनित पुराछात्रों को सलाह दी कि समाज को सकारात्मकता की अधिक जरूरत है, सदैव सकारात्मक बने रहें। आप लोग नाम और प्रतिष्ठा अर्जित करने के लिए जीवन पर्यंत कार्य करें। सदैव स्वयं में देशप्रेम की अलख जगाए रखें।

कुलसचिव प्रो. आशीष खरे ने कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि माननीय कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय का गौरव वापस लौटा है। पिछले पांच वर्षों में इविवि सबसे तेज प्रगति की है। पुराछात्रों ने अल्प समय में आकर आज के कार्यक्रम को सफल बनाया है, उन्हें भी धन्यवाद। उन्होंने विश्वास जताया कि चयनित विद्यार्थी अपने इविवि के छात्रों का सदैव मार्गदर्शन करते रहेंगे।

इससे पूर्व यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद एलुमिनाई एसोसिएशन के सचिव प्रो. कुमार बीरेंद्र ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव की प्रेरणा से यह कार्यक्रम संभव हो सका है। उत्तरप्रदेश प्रांतीय सिविल सेवा (यूपीपीसीएस)-2024 में हमारे विश्वविद्यालय के 70 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। यह प्रयास अपने एलुमिनाई को विश्वविद्यालय से जोड़े रखने के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इसी बरगद की छत्रछाया में पढ़कर विद्यार्थियों ने अन्य राज्यों की प्रशासनिक सेवाओं में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। अब 'बरगद की टहनियों' का विस्तर बड़ी तेजी से हो रहा है। इविवि के विद्यार्थी जहां भी जाएंगे एक कुशल नागरिक के तौर अपनी प्रतिभा को बिखेरेंगे।

कार्यक्रम में आईएफएस साक्षी सक्सेना ने कहा कि अपने विश्वविद्यालय में सम्मान प्राप्त करना गर्व की बात है। विश्वविद्यालय से जुड़ाव मेरे जीवन में एक मील के पत्थर के समान है, यहां वह सब मिला तो एक विद्यार्थी पाना चाहता है। हम विश्वविद्यालय से जो भी सीखकर निकले हैं, उसी के अनुसार समाज में अपना पूरा योगदान देंगे।

वहीं, आईपीएस अनिंद्य पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय से हमारा पुराना जुड़ाव रहा है। इविवि ने केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास में योगदान दिया है। यहां आकर जीवन का नजरिया बदला, नए विचार आए। बेहतर नागरिक बनने में इविवि का योगदान अहम है। प्रा.े संगीता श्रीवास्तव मैम के वीसी बनने के बाद विश्वविद्यालय तेजी से पुनः प्रगति पथ पर दौड़ने लगा है। हम राष्ट्र निर्माण में अपना बेहतर योगदान देने का प्रयास करेंगे।

आईएएस श्रुति ओला ने कहा कि मैंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय की उसी परंपरा को आगे बढ़ाया है, जिससे लिए विश्वविद्यालय को जाना जाता है। यहां हमारे शिक्षकों ने हमेशा हमारी मद्द की है। यहां आकर विद्यार्थी स्वयं ही

AU TALK
EARTH DAY SPECIAL
VOL 47
SMALL STEP BIG IMPACT
Your guide to a greener tomorrow.
The ultimate guide to zero waste living
April 2026

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लग जाता है, यहां जो माहौल हमें मिलता है उससे प्रेरणा मिलती है। उन्होंने सलाह दी कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दौरान संयम बरतें।

यूपीपीसीएस के तहत डिप्टी कलेक्टर चयनित आयुष पांडे ने कहा कि यहां प्रवेश के बाद सिविल सर्विस की तैयारी तक शिक्षकों ने बहुत मद्द की है। उन्होंने अन्य प्रतियोगी छात्रों को सलाह दी कि आप अपनी यात्रा में निरंतरता बनाए रखें।

यूपीपीसीएस के तहत डिप्टी एसपी विमलेश कुमार ने कहा कि इविवि ने ही मुझे सिविल सेवक बनने का सपना दिया। साथ ही, इस सपने को पूरे करने का हौसला भी दिया। इस विश्वविद्यालय ने मुझे धैर्य बनाए रखने की सीख दी, जिसने मुझे आज इस मुकाम तक पहुंचाया है। उन्होंने सलाह दी कि धैर्य रखिए, नंबरों के पीछे मत भागें, सफलता जरूर मिलेगी।

ये भारतीय प्रशासनिक सेवा 2025 में चयनित ये पुराछात्र हुए सम्मानित

भारतीय प्रशासनिक सेवा 2025 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पुरा छात्र और छात्राओं को सम्मानित किया गया जिनमें साक्षी सक्सेना, अनिंद्य पाण्डेय और श्रुति ओला शामिल रहे।

यूपीपीसीएस-24 में चयनित ये पुराछात्र हुए सम्मानित

उत्तर प्रदेश के प्रांतीय सिविल सेवा 2024 में डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयनित आयुष पाण्डेय और अंकित पाण्डेय को सम्मानित किया गया। डिप्टी एसपी विमलेश कुमार को सम्मानित किया गया।

असिस्टेंट कमिश्नर (कामॉर्शियल टैक्स) के पद पर खुशबू रानी, स्वाति मिश्रा, आशीष कुमार सैनी, प्रिंस पटेल, राहुल यादव, प्रेम शंकर सिंह, विकास, रजत कन्नौजिया, मयंक आनंद, अमित कुमार सिंह और दुर्गेश कुमार को सम्मानित किया गया।

असिस्टेंट कमिश्नर (इंडस्ट्रीज) के पद पर संदीप कुमार सिंह पटेल को सम्मानित किया गया। जिला समाज कल्याण अधिकारी के पद पर चुने गए प्रशांत सिंह को सम्मानित किया गया। वर्क ऑफिसर के पद पर चयनित अश्विनी कुमार सोनी को सम्मानित किया गया। बीडीओ के पद पर अभिषेक पाल, अभिनंदन सिंह, अनामिका सिंह,

विक्रमादित्य, सुजाता और अवनि कुमार को सम्मानित किया गया। सीटीओ के पद पर अभिषेक कुमार सिंह, विकास मिश्र, अनुष्का यादव, विकास द्विवेदी, पल्लवी, दर्शिता और राज करण को सम्मानित किया गया।

नायब तहसीलदार के पद पर चयनित कुलभूषण तिवारी, शिवम श्रीवास्तव, पुरुषोत्तम ओझा, चंद्र प्रकाश, नवीन चंदन, हिमालय सिंह, चंदन पाल, बृजेश चौहान, शुभम प्रताप सिंह, प्रणव पाण्डेय, आलोक निशाद, यशव्रत सिंह (कृष्णम), अभिनेश कुमार को सम्मानित किया गया।

डिप्टी जेलर के पद पर शिवम मिश्र, पुष्पराज मिश्र और ऋतुराज सिंह को सम्मानित किया गया। सब रजिस्ट्रार के पद पर नीरज कुमार सरोज, कुमारी दीक्षा गौतम, अभिषेक कुमार यादव, विवेक गुप्ता, श्रीकांत यादव और आशीष कुमार को सम्मानित किया गया।

वहीं, छत्तीसगढ़ न्यायिक परीक्षा 2024 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली अंजुम आरा को भी सम्मानित किया गया। कृपा शंकर पाण्डेय को प्रशासनिक अधिकारी विधि-2025 (दि न्यू इण्डिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड) को सम्मानित किया गया।

संघर्ष और अनुशासनसे ही मिलती है सफलता - प्रो. संगीता श्रीवास्तव

इविवि के मेधावियोंका सम्मान, ७० छात्रोंके चयनसे बढ़ा गौरव

Centre of Environmental Studies

The Centre of Environmental Studies, University of Allahabad, commemorated the 56th World Earth Day on April 22, 2026, with great enthusiasm and a strong commitment towards environmental awareness and sustainability. The programme, organised with the theme "Our Power, Our Planet" with the message "Save Energy, Save Earth," was conducted under the guidance of the Hon'ble Vice-Chancellor, Prof. Sangita Srivastava. Sponsored by the Ministry of Earth Sciences, the event witnessed active participation from faculty members, students, and distinguished guests.

The programme was graced by Prof. S. I. Rizvi, Dean, Faculty of Science, and Prof. Shanthy Sundaram, Director, IIDS, along with Convenor, Prof. Umesh Kumar Singh. The event commenced with a warm welcome address by Prof. Umesh Kumar Singh, who greeted the dignitaries, faculty members from various departments and centres, and all participants.

In his address, Prof. Singh highlighted the significance of the theme "Our Power, Our Planet," emphasizing pressing environmental concerns such as increasing waste generation and the urgent need for effective waste management practices. He also stressed the importance of achieving Sustainable Development Goals (SDGs), particularly SDG\ 6 Clean Water and Sanitation and SDG\ 7 Affordable and Clean Energy, underlining the collective responsibility required for ensuring environmental sustainability. He concluded his remarks by extending Earth Day greetings to all present.

Delivering the keynote address, Prof. Shanthy Sundaram emphasized that safeguarding the planet is the responsibility of every individual. She stressed the importance of plantation drives, environmental conservation, and pollution reduction, while encouraging the participants to adopt eco-friendly practices in their daily lives. She remarked that every day should be observed as Earth Day in order to build a sustainable future.

Prof. S. I. Rizvi, in his address, highlighted the crucial role of clean energy and urged the younger generation to minimize excessive consumption of natural resources. He called upon individuals to

adopt conscious and sustainable lifestyles and to actively contribute towards environmental protection.

Following the formal session, a plantation drive was conducted with enthusiastic participation from the dignitaries, faculty members, and students, symbolizing their collective commitment to environmental conservation. A rally was also organised across the University campus, during which the participants raised slogans such as "Save Energy, Save Earth" and "Power Saved, Future Secured," spreading awareness about energy conservation and environmental stewardship.

The celebration also featured several engaging activities, including a slogan-writing competition, online quiz, model displays, and poster presentations. The participants from various centres and constituent colleges of the University of Allahabad showcased innovative ideas and creative expressions focused on environmental conservation and sustainable living.

The winners of the slogan-writing competition were announced during the programme. Ankita Kumari from the Centre of Environmental Studies secured the first prize and received a cash award of ₹3,000. The second prize was jointly awarded to Himanshi Pal from the Centre of Environmental Studies and Aliza Parveen from the K. Banerjee Centre of Atmospheric and Ocean Studies (KBCAOS), with each receiving ₹2,000.

The third prize was jointly awarded to Deepak K. Singh from KBCAOS, Jhanvi Singh from the Centre of Environmental Studies, and Supriya Yadav from Ishwar Saran Degree College. Each of the third-prize winners received a cash prize of ₹1,000. All the remaining participants were presented with mementoes and certificates in recognition of their enthusiastic participation and contribution to the event.

The programme concluded with a formal vote of thanks delivered by Dr. Pawan Kumar Jha, who expressed gratitude to all the dignitaries, organisers, faculty members, students, and participants for making the World Earth Day celebration meaningful, inspiring, and impactful.

UNIVERSITY OF ALLAHABAD
WORLD EARTH DAY
THEME: "OUR POWER , OUR PLANET"
SAVE ENERGY, SAVE EARTH
22nd April, 2026
ORGANISED BY:
CENTRE OF ENVIRONMENTAL STUDIES
UNIVERSITY OF ALLAHABAD, PRAYAGRAJ
SPONSORED BY:
MINISTRY OF EARTH SCIENCES
GOVERNMENT OF INDIA

THEME: "OUR POWER , OUR PLANET"
SAVE ENERGY, SAVE EARTH
22nd April, 2026
SPONSORED BY:
MINISTRY OF EARTH SCIENCES
GOVERNMENT OF INDIA

EARTH DAY SPECIAL

Department of English and Modern European Languages

The Department of English and Modern European Languages, University of Allahabad, successfully organised a five-day Online International Workshop titled *“Contemporary Horizons of Comparative Literature”* from 20 to 24 April 2026. The workshop brought together distinguished scholars, academicians, research scholars, and students from different parts of India and abroad to engage in interdisciplinary discussions on contemporary developments in Comparative Literature.

The workshop was conducted under the patronage of Prof. Sangita Srivastava, Hon’ble Vice Chancellor, whose continuous encouragement and support greatly strengthened the academic vision and successful execution of the programme. Prof. Indrani Mukherji, Head of the Department of English and Modern European Languages, served as the Chairperson of the workshop, while Dr. Aloysius Sebastian coordinated the entire event.

The workshop witnessed the participation of more than 100 participants from various parts of the country and abroad, including faculty members, independent researchers, postgraduate students, and research scholars. The online mode of the programme enabled wider accessibility and fostered vibrant academic interaction across geographical boundaries.

The inaugural session on 20 April 2026 featured Dr. Mrinmoy Pramanick of Jawaharlal Nehru University, New Delhi, who delivered a lecture titled *“Does Crisis Complement the Comparative?”* and examined the relationship among crisis, migration, translation, and comparative literary methodologies in contemporary scholarship.

The second session, held on 21 April 2026, was conducted by Dr. Shouvik Narayan Hore of the Sanskrit College and University, Kolkata, on the topic *“Wordsworth Today.”* The lecture revisited the relevance of William Wordsworth in the present age and explored the continued significance of Romantic thought in contemporary literary and ecological discourse.

On 22 April 2026, Dr. Patrick Corbett from The City University of New York, USA, delivered an insightful lecture titled *“Using Agentic Processes in Writing and Research in the Humanities”*His session focused on emerging technological methodologies, digital literacy, and the role of artificial intelligence in academic writing and humanities research.

The fourth session on 23 April 2026 featured Prof. Gurupdesh Singh, former Professor of Guru Nanak Dev University, Amritsar, Punjab, who spoke on *“Discourse Transformation and Comparative Literature.”* His lecture explored changing literary paradigms, critical theory, and the evolving dimensions of comparative studies in global academia.

The fifth and last session on 24 April 2026 was delivered by Dr. AnkitaSundriyal of Vellore Institute of Technology, Tamil Nadu, on *“Bodies, Borders, Belonging: Postcolonial Ecofeminisms in Comparative Literature.”* Her lecture highlighted the intersections of gender, ecology, postcolonialism, and cultural representation in contemporary literary studies.

The workshop generated enthusiastic academic engagement through interactive discussions, question-answer sessions, and scholarly exchanges throughout all five days. The participants appreciated the interdisciplinary nature of the lectures and the opportunity to interact with eminent scholars from nationally and internationally reputed institutions.

Expressing profound gratitude and appreciation, Dr. Aloysius, Coordinator of the Workshop, conveyed his heartfelt thanks to the Hon’ble Vice-Chancellor, Prof. Sangita Srivastava, whose gracious patronage, visionary leadership, and constant encouragement contributed significantly to the grand success of the event.He also extended his sincere thanks to Prof. Indrani Mukherji, Head of the Department of English and Modern European Languages, for her invaluable guidance, unwavering support, and constant encouragement throughout the planning and execution of the workshop.He further expressed gratitude to all the faculty members of the Department for their cooperation and support. Special appreciation was conveyed to the research scholars and students whose dedication, teamwork, and active participation ensured the smooth conduct and successful

AU TALK
EARTH DAY SPECIAL
VOL 47
SMALL STEP BIG IMPACT
Your guide to a greener tomorrow.
The ultimate guide to zero waste living
April 2026

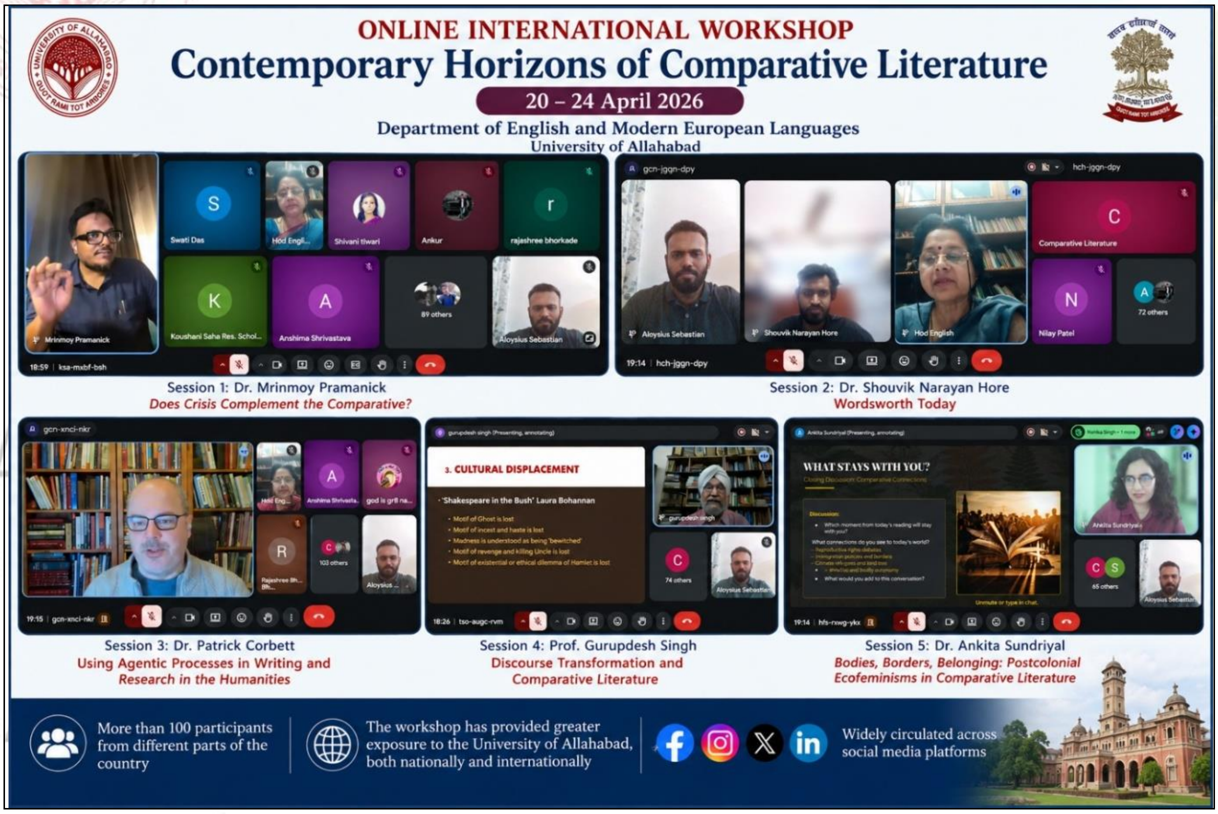

VOL 47

SMALL STEP BIG IMPACT

Your guide to a greener tomorrow.
The ultimate guide to zero waste living

April 2026

Department of Electronics and Communication

CODEBLOCK 2026: A Two-Day National-Level Hackathon Fostering Innovation and Entrepreneurship, 24-25 April 2026

The Department of Electronics and Communication, University of Allahabad, in collaboration with NADCAB LABS and Software Technology Parks of India (STPI Prayagraj), successfully organized a two-day national-level coding hackathon CODEBLOCK 2026 – Code the Future, Build the Impossible from 24th to 25th April 2026. Focused on cutting-edge technologies such as Artificial Intelligence and Blockchain, the event provided an outstanding platform for students to demonstrate their technical skills, creativity, and problem-solving abilities.

Grand Inauguration on 24th April 2026

The event was formally inaugurated by the **Chief Guest, Prof. Sangita Srivastava, Hon'ble Vice-Chancellor, University of Allahabad**, who addressed the participants and highlighted the importance of embracing today's technological advancements with responsibility and vision. In her presidential address, she emphasized that India has emerged as a global leader in UPI-based transactions, with people across the country frequently and confidently using digital payment systems. She remarked that this reflects the nation's rapid technological transformation and adoption of innovation at the grassroots level. At the same time, she stressed that while Artificial Intelligence offers immense opportunities, its effective and cautious utilization is equally important. She urged students and innovators to use AI responsibly and ethically so that technology remains a tool for progress and human welfare.

The event's **Guest of Honour, Divisional Commissioner Prayagraj, Smt. Saumya Agrawal**, in her address, stated that such hackathons play a vital role in brainstorming young minds and inspiring them to innovate, code, and conquer challenges. She encouraged the students to not only write code but also to identify and work on unsolved real-world problems. She further motivated the participants to think beyond jobs and focus on startups and entrepreneurship, becoming job creators rather than job seekers.

The event's Special Guest, **Sh. Naman Singh, CEO of NADCAB LABS,** in his address, said that motivation and innovation are the driving forces behind such events. He mentioned that the primary aim of this hackathon is to inspire students, encourage problem-solving, and provide them with a platform to transform ideas into impactful solutions.

Prof. Ashish Khare, Registrar, University of Allahabad, emphasized the importance of technological advancement and its adoption in academic and research institutions to prepare students for future challenges.

Prof. N. K. Shukla, Head, Department of Electronics and Communication, UoA, formally welcomed all the distinguished guests of the event and addressed the audience, informing them about the structure, objectives, and key highlights of the hackathon programme.

Participation and Competitive Rounds

On this occasion, Deans of various faculties, Heads of different Departments, faculty members, research scholars, and students of the University were present in large numbers. CODEBLOCK 2026 attracted enthusiastic participation from students of premier institutions across the country, including IITs, NITs, MNNIT Allahabad, IIIT Allahabad, Harcourt Butler Technical University, and University of Allahabad.

The competition was conducted in multiple stages:

- Online quiz on Cybersecurity, Artificial Intelligence, Blockchain, and emerging technologies.
- Coding assessment with challenging problem statements.
- Final intensive hackathon round involving real-world problem-solving and prototype development.

The participants worked continuously for over 48 hours to design innovative solutions using AI and Blockchain technologies.

Successful Conclusion and Prize Distribution, 25th April 2026

The hackathon concluded on the second day 25th April 2025, with a grand prize distribution and valedictory ceremony presided over by the **Hon'ble Vice-Chancellor, Prof. Sangita Srivastava**, who announced the results and felicitated the winners.

Prize Winners

First Prize (₹1,00,000): Syed Zakariya and Team, University of Allahabad

Second Prize (₹50,000): Priyanshu and Team, University of Allahabad

Third Prize (₹25,000): Ayush and Team, Harcourt Butler Technical University

Ten Consolation Prizes: ₹2,500 each

A total of 13 teams and participants were appreciated for their exceptional technical excellence, innovative thinking, and practical solutions to real-world challenges.

Address by the Vice-Chancellor

During the closing ceremony, **Prof. Sangita Srivastava, Hon'ble Vice-Chancellor, University of Allahabad**, congratulated all the participants and emphasized that hackathons are platforms for learning, self-discovery, and innovation rather than merely competitions for prizes. She noted that many participants missed top positions by narrow margins, yet every participant demonstrated immense talent and potential. She encouraged the students to continue participating in such initiatives and contribute to the nation's digital transformation.

Organizing Team

The programme was organized under the **supervision** of **Prof. N. K. Shukla**, **Head, Department of Electronics and Communication,** who welcomed the dignitaries and highlighted the department's commitment to bridging academia and industry through impactful technical events.

The programme was successfully **coordinated** by **Dr. Nilesh Anand Srivastava, Dr. Prabhat Chandra Srivastava, Dr. Nimish Kumar Srivastava, Dr. Pooja Rani, Dr. Sudhanshu Kumar**

Jha, Dr. Lucky Agrawal, Dr. Shashibhushan Sharma, and Dr. Pardeep Kumar Tiwari (CCET), with support from all the faculty members of the Department of Electronics and Communication.

A Platform for Future Innovators

CODEBLOCK 2026 proved to be much more than a coding competition. It served as a dynamic platform for innovation, teamwork, networking, and entrepreneurial thinking. By bringing together talented students and industry experts, the event inspired a new generation of young technologists to harness Artificial Intelligence and Blockchain for building impactful solutions.

The overwhelming success of CODEBLOCK 2026 reflects the University of Allahabad's continued commitment to promoting technological excellence, innovation, and nation-building in alignment with the vision of Digital India and Viksit Bharat 2047.

NADCAB LABS
Twenty Five Thousand Only/-
25,000/-
NADCAB LABS
One Lakh Only/-
1,00,000/-

Book of the Edition: The Comeback- Annie Zaidi

Documentary of the Edition: Swaraj

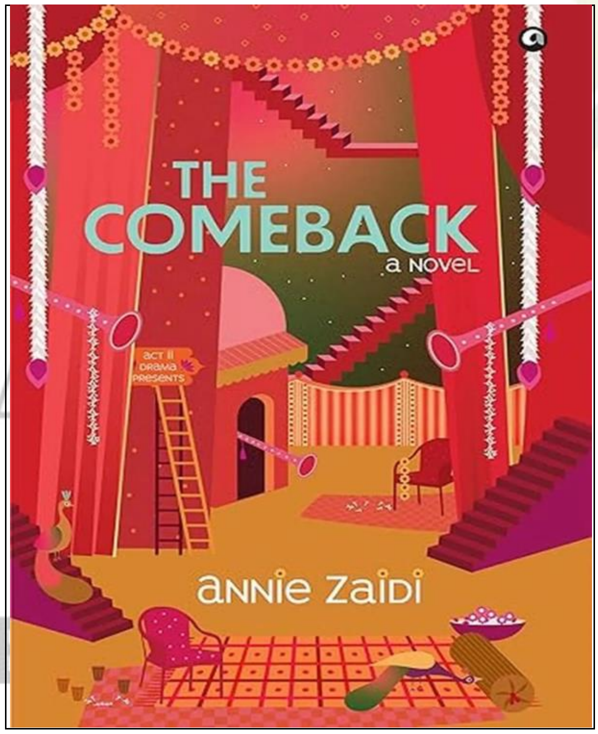

- AU TALK publishes news about seminars/workshops/conferences that have taken place at any Department or Centre of the University. A piece of news along with a **photograph of organizers** should be emailed to **editorial board.autalk@allduniv.ac.in**

- The magazine also publishes informative articles. Articles should aim to bring out important scientific, ethical, and environmental issues and must be lucid in their message to society. They can be written in Hindi or English. In single edition, the magazine can publish up to four such articles.

- Do not send pictures capturing garlanding or shawl/ memento- giving moments.

- The magazine should be widely circulated among students and faculty and on all social media platforms so that the excellent work done under the auspices of the University of Allahabad reaches far and wide and benefits all.

- Please feel free to contact the Editorial Board.